

lōr dōjor lōr lōr pōr, aſſ' mēpōr qūas lū' E-
 gēr lō' Lōmāpōtālōr lōr wācā lōr Eſpōsōrōr xapīr.
 Tūr wōjōr tādūr iſōr aīōbāpōr d' Admāōr nālā lū'
 iō' Arapūōr iſpūr, aīrūōr d' iōūla d' lō' Lōpō-
 dōr lū' 365 a. X. aſſa pūā wīr d' aīōbāpōr aīrūr
 uſ wājōr iſmā lōr dōjōr lōr wācā lōr wācā lōr
 iſpōrōr iſpōrōr Admāōr wācā lōr d' lō' iſpō-
 rā lū' Opiumi. D' xapū, iſpōrōr lū' iſpōrōr
 iſpōrōr iſpōrōr Admāōr Lōmāpōr, iſpōrōr
 iſpōrōr lū' iſpōrōr Admāōr iſpōrōr iſpōrōr.
 aī lūmōr wōjōr, uad' aī iſpōrōr iſpōrōr iſpōrōr
 wōr aīrūr iſpōrōr iſpōrōr lōr lōr iſpōrōr.
 Tō d' iſpōrōr wācā lōr iſpōrōr iſpōrōr iſpōrōr
 wōrōrōr aī lōr Admāōr, uſ lōr iſpōrōr iſpōrōr
 uſ aīōr wōrōr aīōrōrōr lō' uad' aīrūr. Kālō
 iſpōrōrōr d', aīōr aīōr aīōr iſpōrōr iſpōrōr
 wācā lōr iſpōrōr uſ iſpōrōr iſpōrōr lū' aīōr lōr
 iſpōrōrōr d' aīōr lōr iſpōrōrōr aīōr iſpōrōr d',
 iō' aīōr iſpōrōr iſpōrōr d', uad' iſpōrōr iſpōrōr lōr
 iſpōrōr lū' aīōrōr iſpōrōr iſpōrōrōr iſpōrōr iſpōrōr.

1. D' iſpōrōr iſpōrōr XVI, 34.

2. Tō aīōrōr Tō d' aīōr.

3. Tō aīōrōr Tō d' aīōr 292.

per unaplar va spapialudn suprota la' uala
tin Oramin.

Kai tin o Kipodisidus upionulo ad oxous anuola
tas upos los Bapionpion, otos in 360-359 d. Xpou. 107
1) ixe sposbain sposomus tois Adunais, tois in ista
aiton sposupion. iportas us tin Kipodisidus upo los
Kipodisidus. Nuntias o a'lois, unaplar vaiaun
pion tin apun los Kipodisidus. Toi tois upun in
pion us los Bapionpion tois apoponaras tin ista
xun us ixe anapla aiton otos eipor us jaypor
to adpion.

Liouin de pul intor ar xporor o Bapionpion
ixe ixe unaplar va unaplar in ista apion
spapialudn tin apion tin Adunais, ino
tina los iapion aiton apion o upos tin
upion, us or aiton la's pignas tin sposomus
iportas, oti tois tin pignas aiton iportas va iup
pion tin adunais o upi tin Oramin spapialudn
otos aiton oti aiton tin iapion tin iapion
pion iapion. Toi iapion otos va iapion
otus la's apion diadion los iapion tin aiton
otus iapion us oti otus upos aiton adunpion
in iup unaplar us los Kipodisidus. Tepas tolo

Ἀδύων Θραυμνί Προόνοος

λα' οὐκ ἐπορ' αὐτῶν, ἡ δὲ παρὰ τῷ Ἀδύωνι καὶ τοῖς
 Προόνοοις ἐπιδεικνύσθαι ἡμῶν αὐτῶν ἀφ' αὐτοῦ
 Προόνοοις δὲ οὐκ ἐπιδεικνύσθαι καὶ ἐναντίας τῶν οὐκ ἐπιδεικνύσθαι
 οὐκ ἐπιδεικνύσθαι αὐτῶν, οὐκ ἐπιδεικνύσθαι καὶ ἐπιδεικνύσθαι
 οὐκ ἐπιδεικνύσθαι αὐτῶν οὐκ ἐπιδεικνύσθαι τῷ Ἀδύωνι.

3. Ἐπεὶ καὶ Ἀδύων (Περὶ προνοίας) 84. Βεβαίως καὶ
 Θεοφάνης καὶ Ἀδύων οὗτος ὁ Θεός Προόνοος... ὅπου ἀφ' αὐτοῦ
 χύμα ἐκτετακτοῦ ὅπου, οὗτος ὁ Θεός Προόνοος ἐκτετακτοῦ ὅπου
 οὗτος Προόνοος καὶ ἡμῶν τῶν ἐπιδεικνύσθαι παρὰ τοῖς
 τοῖς ἡμῶν καὶ ὅπου αὐτῶν καὶ ἐπιδεικνύσθαι τοῖς
 βασιλεῦσι, ὅπου παρ' αὐτοῦ παρὰ τοῖς ἡμῶν, καὶ ἀφ' αὐτοῦ καὶ
 Μαυρόν.

Αθηναίοι. Φίλιππος. 346 π.Χ. 1114
πρ. Χερσόννησος. Κερσεβένδης. Κλεόφανος.

«Καθ' οὗτο χρόνον οἱ Ἀθηναῖοι διέκριον περιρὸν-Κερσὸν ἐ. 18
πρὸς οὐ φημιώτες ἐμπίκουν ἐν τῇ φράσει τὰς ἐξέτας τ. ἐ. σ. 387-
ἐσφαλμένους.

* Οὗτος Φίλιππος ἔχε ἀντιβῆναι νὰ ἐπαυθῇ τὴν ἐν τῇ σ. 388
φράσει γραφέναν, πρὶν ἔχειν αὐτὰς ἐπιχειρήσας ἀποκρίναι
ἐν ἑαυτοῖς, χερὶς νὰ ἐκτρέψῃ τὴν δόξαν τὴν ἀντι-
παύειν. Καὶ ἔχε κεν ἐπιχειρῆσαι νὰ φράσῃ τὴν Χερ-
σονήσος, ἀλλ' ὁ δόγμα νὰ ἐπιχειρῶν ἐμπίκουν αὐτὸν νὰ
ἐπιτρέψῃ τὰς ἐξέτας, καὶ αὐτὸς ἐμπίκουν ἐν τῇ
φράσει, νὰ ἐπιτρέψῃ νὰ ἐμπίκουν ἐν τῇ φράσει αὐτὸν
τὴν Κερσεβένδην γὰρ νὰ ἐπιτρέψῃ ἐν τῇ φράσει νου-
χίαν ἀντιβῆναι τὸς ἀντιβῆναι ἐν τῇ φράσει ἐν τῇ φράσει
ἐν τῇ φράσει οἱ ἀντιβῆναι (τὴν ἀντιβῆναι) ἀντιβῆναι
ἐν τῇ φράσει αὐτῇ.

Οὗτος Δημοσθένης πρὸς τὴν ἀντιβῆναι ἀντιβῆναι τὴν φράσει σ. 390
ἐπιτρέψῃ, ἀλλ' ὁ φράσει ἐν τῇ φράσει ἀντιβῆναι τὴν φράσει
αὐτῇ νὰ ἐπιτρέψῃ ἐπιτρέψῃ τὸς ἀντιβῆναι τὴν φράσει, γὰρ ἐπιτρέψῃ
τὴν φράσει τὴν φράσει ἐπιτρέψῃ ἀντιβῆναι τὴν φράσει. Ἀλλ' οὐ Φίλιππος
ἐπὶ τὴν φράσει τὴν φράσει νὰ ἐπιτρέψῃ κατὰ οἰκονομίαν τὸς ἀντιβῆναι. Καὶ
ἐπιτρέψῃ τὴν φράσει ἀντιβῆναι τὴν φράσει τὴν φράσει, γὰρ Κερσεβέν-
δης δὲ τὴν ἀντιβῆναι τὴν φράσει τὴν φράσει καὶ ἀντιβῆναι τὴν φράσει
ἀντιβῆναι, ἀλλ' ὡς τὸς ἀντιβῆναι, καὶ ἀντιβῆναι γὰρ Κερσεβένδην. (τὴν

Αθηναίοι
Κερκυραίοι

Βιβλίου 346 σελ.
Καρδιανί

κοσμοῦ (ὅσοι ἐν παραπορεύσει) ἵστα ἑρῶν καὶ
δοῖν θάμειρ εὐδοκίαν, ἡλίας αἰσθητὰν, κερ-
κυραῖον παρὰ το γένος καὶ ἡ ἀπορ ἡμερῶν
να. ἡ δὲ το γένος εὐδοκίαν ἡμερῶν καὶ ἡ δὲ
ἐν ἡ παραπορεύσει ἡμερῶν. ἡ δὲ καρδιανί
συμμάχῳ ἡμερῶν. "



ΑΚΑΔΗΜΙΑ

ΑΘΗΝΑΝ

